

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00315413

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : ADITYA NARAYAN.4

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

27-07-20

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र
Centre

TVM

Keene

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
<p>1 (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
<p>2 अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
<p>3 परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
<p>4 उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
<p>5 उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
<p>6 प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
<p>7 प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
<p>8 यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (4513)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

करुणा, दूसरे के दुःख को अपना दुःख मानकर उसे महसूस करने तथा उस संबंध में कार्रवाई करने का साहसी विकल्प है, तब भी जब मौन रहना अधिक सुरक्षित हो और उदासीनता दिखाना अधिक सहज हो। भारत में सिविल सेवकों के लिए एक आवश्यक नैतिक मूल्य के रूप में करुणा के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Compassion is the courageous choice to feel another's suffering as one's own, and to act upon it, even when silence is safer and indifference is easier. Examine the significance of compassion as an essential ethical value for civil servants in India. Illustrate your answer with suitable examples. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस कक्ष में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"Compassionate development will ensure that its benefits touch every life"
— Kofi Annan

Compassion is hence one of the critical necessities to have as a civil servant in his/her personal & professional ethics.

Significance in civil service

① Inclusive growth : Touching every part of society. (Eg) 'Compassionate Kojhikode' by Prashant Naik IAS

② Empathetic policy making : Understanding diverse perspectives. (Eg) Rehabilitation and Compensation for those displaced

due to a dam development .

③ Ethical leadership: Upholding ethics in all situations as a role model.

(Eg) Duegashakti Nagpal IAS action against sand mafia, protecting rights of tribals.

④ Equity: Treating people at unequal situations equitably. (Eg) Upholding schemes for the vulnerable like PM JANMAN

⑤ Altruism: Focusing on well being of society over self. (Eg) 'Operation Suleimani' for poor by Prashant Nain IAS

⑥ Environment stewardship: Protecting environment with development (Eg) ~~Off~~

(Eg) Afforestation drive post deforestation in Western Ghats

Hence Compassion is a quality of utmost necessity for civil servants & equitable policy.

1. (b)

भारत में विवाह पारंपरिक संस्कारों से हटकर अधिक स्वायत्त संबंधों की ओर अग्रसर हो रहे हैं, जो लिव-इन रिलेशनशिप की बढ़ती प्रवृत्ति और बढ़ती तलाक दरों से परिलक्षित होता है। इन परिवर्तनों के नैतिक आयामों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Marriages in India are transitioning from traditional sacramental unions to more autonomous relationships, reflected in live-in relationships and rising divorce rates. Discuss the ethical dimensions of these changes. (Answer in 150 words)

10

Marriages in modern India have transitioned away from sacrament to contractual agreement. Rise of live-in, divorce rates, serial monogamy etc are a cause of this.

Ethical implications

(A) Positive

① Individualism: Focused on individual rights over community.

⊕ Rise of divorce rates

② Liberalism: Liberal view of marriage why. ⊕ Marriage as an indissoluble union gone.

③ Rights to women: Unrestricted choice of partners for women, unlike before.

④ Secularisation of marriage: Loosening of caste hierarchies by social status.

⑤ Negatives

① Reduced social cohesion: Between partners impacting stability.

② Child as a scapegoat in broken homes
Eg: Parenting weakness in such homes causes trauma in children.

③ Reduction in filial piety or care for elderly.

④ Family's role as primary socialising agent for youth diminishing

Hence marriages in India have seen dynamic changes showing contemporary ethical realities

2. (a)

यद्यपि जवाबदेही के लिए प्रायः प्रलेखन आवश्यक होता है, लेकिन नौकरशाही प्रक्रियाओं और अत्यधिक कागजी कार्रवाई पर अधिक बल देने से अनजाने में उन आवाजों को दबाया जा सकता है जिन्हें लोक नीति, विशेष रूप से जमीनी स्तर पर, सशक्त करना चाहती है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उपर्युक्त कथन का परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

While accountability often necessitates documentation, an overemphasis on bureaucratic procedures and excessive paperwork can inadvertently silence the very voices that public policy intends to empower, particularly at the grassroots. Examine the above statement with suitable illustrations. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए। Candidates must not write on this margin

10

"Overbureaucratization of society leads to ritualism of iron cage of rationality"
- Weber

The increased focus on standard operating procedures over outcomes will lead to poor realisation of the ultimate goal of good governance in bureaucracy.

Issues of too much focus on procedure

① Excessive focus on means than ends

(Eg) Bureaucratic delays in providing RTI replies due to procedural inefficiency.

② Ritualism over outcomes.

(Eg) Inability to take quick decisions

at the time of crises like pandemic.

③ Lack of empathy for those impacted.

Ex) Inadvertent delays in land acquisition compensation according to LARR act

④ Risk averse decision making

Ex) Fear of getting on the wrong side of law among officials due to involved procedure.

Balanced approach

① Outcomes and legitimate means to be given priority

② Ability of the system to take quick & necessary decisions must be improved.

③ Response to feedback and grievance must be prompt.

Hence an agile framework in bureaucracy with constant tweaking of rules and systems is necessary.

2. (b)

निष्पक्षता के सिद्धांत का कभी-कभी वंचित समुदायों के प्रति करुणा की आवश्यकता के साथ टकराव हो सकता है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The principle of impartiality may conflict with the need for compassion towards marginalized communities. Discuss in the context of civil services in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

"It is the ability of humankind to treat each other effectively and based on one's life chances that makes him different." As put in Art 14 of the constitution treating those at equal level equitably is justice.

Impartiality conflict with compassion

- ① Inclusion in policy making for the vulnerable. (Eg) Affirmative action schemes for STs like Eklavya model schools
- ② Historical disadvantage need to corrected. (Eg) Reservation for Dalits in education & govt jobs
- ③ Social Justice & Equity - Means providing equal chances for

those at similar situations. ~~(Eg) Paralympic~~

~~is~~ (Eg) work undertaken by Olinal
Karanwal IAS in schools for Divyangjan

④ Equality of opportunity or equality of reward for the vulnerable.

(Eg) Implementation of Aspirational district programme

⑤ Adherence to Gandhi's khismas to take into consideration compassionate approach to vulnerable.

Impartiality is also necessary - balanced approach

① Treating all at all levels equally.

② Not getting swayed by economic or political clout.

③ Integrity of credibility - upheld

(Eg) TN Seshan's as Chief Election Commission

Hence balanced approach of upholding equity, justice and impartiality as put by Nolan committee

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

“किसी राष्ट्र की ताकत उसके घर की अखंडता से उत्पन्न होती है।” - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

“The strength of a nation derives from the integrity of the home.” - Confucius (Answer in 150 words)

10

The above quote by Confucius focuses on the impact of parenting and familial upbringing in the ethical values of a person. It ultimately leads to the character of a nation.

Role of upbringing

① Personal ethics are often developed at home. (E) A home that condemns stealing leads to 'theft' mentality.

② Emotional stability of a person is directly linked to it. (E) Traumatic upbringing of children in broken homes.

③ Moral compass - The mentality to choose the right thing even under pressure.

④ Eg Integrity in professional life has direct link to this

⑤ Compassion & respect to others *

⑥ Eg Orientalist culture's value respect to elders in upbringing.

⑦ Selflessness & Altruism starts from home. ⑧ Gratitude & helping mentality

Leading to strength of a nation

① Leadership: Mahatma Gandhi credits his upbringing for his value system

② Integrity: APJ Abdul Kalam focuses on necessity uphold righteousness at heart from home.

Hence the evolution of what is right for any should start from home to raise strong generation.

3. (b) "उसी नियम के अनुसार आचरण करें जिसके बारे में तत्क्षण आप सार्वभौमिक विधि बनाने का संकल्प कर सकें।"-
इमानुएल काण्ट (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Act only according to that maxim through which you can at the same time will that it become a
universal law."- Immanuel Kant (Answer in 150 words) 10

Immanuel Kant
was a proponent of Deontological
ethics. He was a believer in the
idea that one must do what is
right despite contextual differences.

Importance of Deontological ethics

- ① Moral absolutism: There are
universal right and wrong.
Eg- 'Don't harm others' is universally
accepted by most cultures.
- ② An ideal to strive for humans.
Eg- Honesty in most situations
is considered a virtue.

③ Provides a benchmark & a guiding light for professional / personal ethics

ⓔ Selflessness is expected of a civil servant as suggested by Nolan Committee.

Issues with deontology

① Negates contextual differences.

ⓔ Killing someone for self-defence is considered a lesser crime

② Blatant equality of contexts over equity. ⓔ Stealing food for starvation v/s stealing out of a bank can't be treated equally.

③ Might miss the larger outcome

ⓔ Focusing legitimacy of means might forego end during a crucial scenario.

Hence a balance between deontology & consequentialism is necessary to strive for utilitarianism.

3. (c)

“हम न केवल उसके लिए जिम्मेदार होते हैं जो हम करते हैं, बल्कि उसके लिए भी जिम्मेदार होते हैं जो हम करने में विफल रहते हैं।” - मोलियर (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

“We are not only responsible for what we do, but also for what we fail to do” - Molière. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The quote talks about the idea of responsibility of oneself is not only our actions but our inactions. The idea resonates with "the silence of the wise is more criminal than the noise of the fool"

Responsibility for one's inactions

- ① Integrity of a person is at question if he/she doesn't speak up against issues. (Eg) - Not trying to stop a crime despite prior knowledge
- ② Selfish mentality, ourselvesness.
(Eg) - A civil servant facing repercussions doesn't take necessary steps to help a family out of suicide.

③ A lionism and virtue ethics necessarily
one stands up for others as for himself.

Applicability in present context

- ① Speaking up against social issues.
(Eg) Against sexist comments in a
social media group.
- ② Prompt action of execution in case of
civil servants. (Eg) Ashok Kerkar IAS
speaking up against corruption.
- ③ Doctr is expected to be transparent
and take necessary action if to save
him/her.
- ④ A minister is responsible for inaction
against corrupt individuals in his
office ⇒ Vicarious responsibility.

Hence the quote signifies the need
to balance proactive action and
accountability

4. (a)

देशभक्ति नैतिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करती है, जबकि राष्ट्रवाद प्रायः इसका दमन करता है। अत्यधिक दबाव वाली राष्ट्रीय घटनाओं के दौरान राजनीतिक अभिवृत्तियों के विकास के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। व्यक्ति ऐसी नैतिक अभिवृत्तियों को किस प्रकार विकसित कर सकते हैं, जो राष्ट्रीय हित और नैतिक तर्क के बीच संतुलन स्थापित करें? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Patriotism encourages ethical questioning, while nationalism often suppresses it. Discuss this statement in light of the formation of political attitudes during high-pressure national events. How can individuals develop moral attitudes that balance national interest with ethical reasoning? (Answer in 150 words)

10

Patriotism refers to the attitude of loving one's own nation. Nationalism on the other hand is a more exclusionary principle that loves one's own national identity by excluding other identities.

Formation of political attitudes during high pressure events

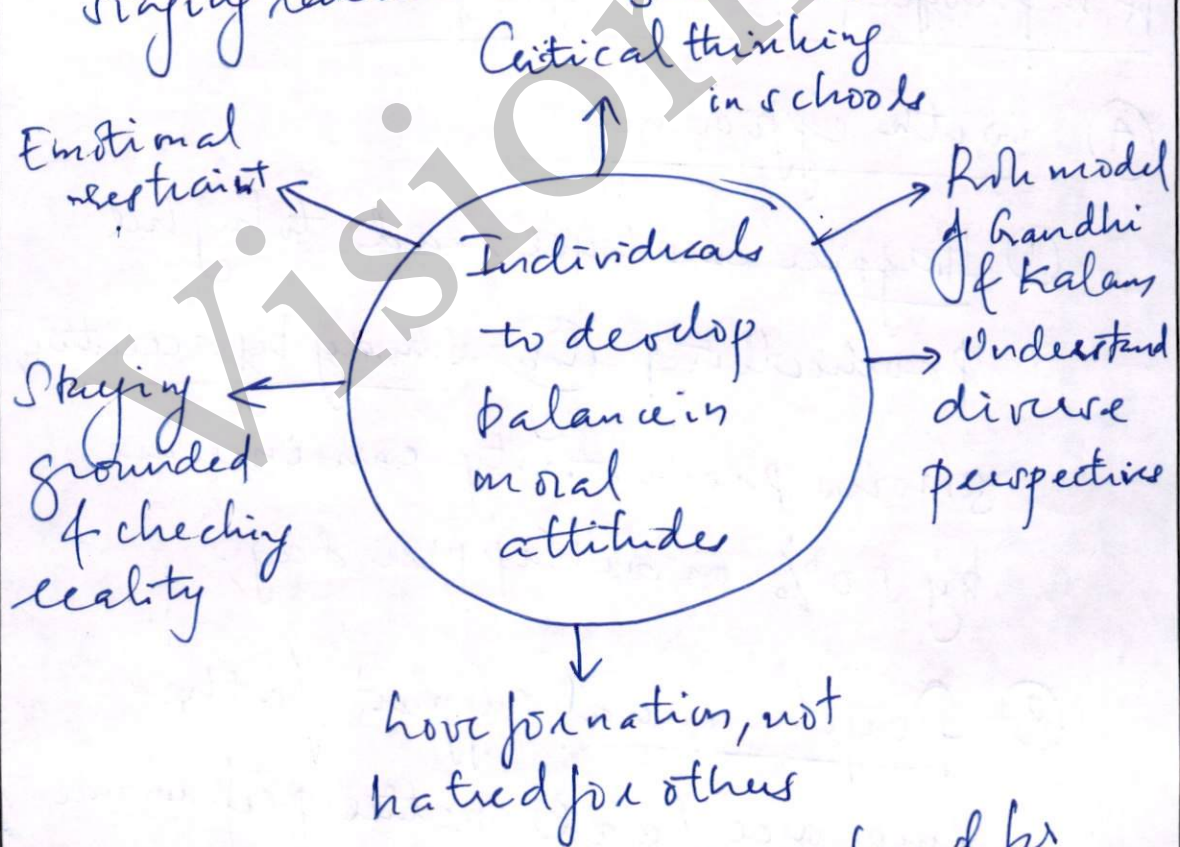
① Jingoism as a result of nationalism while patriotism leads to national pride.

(Eg) Hate speech against other nations and identities during India-Pak matches.

② Critical thinking is supported by

patridism while nationalism focuses on obedience. (E) Questioning the pros and cons of Indian governments policies than accepting it without discussion.

(3) Nationalism focuses on idealism while patridism makes one grounded & realistic. (E) Focusing on future and present development of India than singing lewels about glorious past.



Hence patridism is the way ahead for global peace & India's prosperity

4. (b)

चर्चा कीजिए कि निजी संगठनों में कर्मचारी कल्याण और निष्पक्षता को दक्षता एवं लाभप्रदता के साथ किस प्रकार संतुलित किया जा सकता है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how employee well-being and fairness can be balanced with efficiency and profitability in private organisations. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Employee overall well being and fairness is necessity in helping the organisation achieve higher productivity, efficiency, profitability & growth.

Employee well being & fairness

(A) with efficiency

① Happier employee leads to higher productivity. (E) Study by accenture, shows productivity can increase by 50% on a happier day.

② Psychosocial support for the employee leads better performance
(E) Counselling services bring

provided at Google.

③ Equality in treatment gives incentive to perform. (E) Unnecessary internal politics in Orgs discourage innovation & performance.

④ Equality of opportunity to all employees creates a system of healthy competition

⑤ With Profitability

① Higher productivity leads to higher profits. (E) Work culture in Japan and high productivity

② Healthier employees leads to better growth

③ Fairness means ~~every~~ every one gets equal chance and incentive to perform leading to profitability.

Hence employee well being & fairness like seen in Google Inc leads to higher growth & efficiency.

5. (a)

क्या आप इस बात से सहमत हैं कि सोशल मीडिया और उभरती हुई ए.आई. प्रौद्योगिकियों के अत्यधिक उपयोग से किशोरों में भावनात्मक नियमन और नैतिक संवेदनशीलता में कमी आ सकती है? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Do you agree that excessive use of social media and emerging AI technologies may lead to a decline in emotional regulation and moral sensitivity among adolescents? Justify your answer. (Answer in 150 words)

10

Proliferation of social media & AI unregulated among adolescents have multifold impact leading to issues with moral & emotional ~~issues~~ sensitivity.

Decline in emotional regulation & moral sensitivity

① Unrestricted usage of social media leading to social anxiety.

(Eg) Mental health issues among adolescents on the rise.

② Deviation from making real life connections causing emotional issues.

③ Unrestricted use of AI can

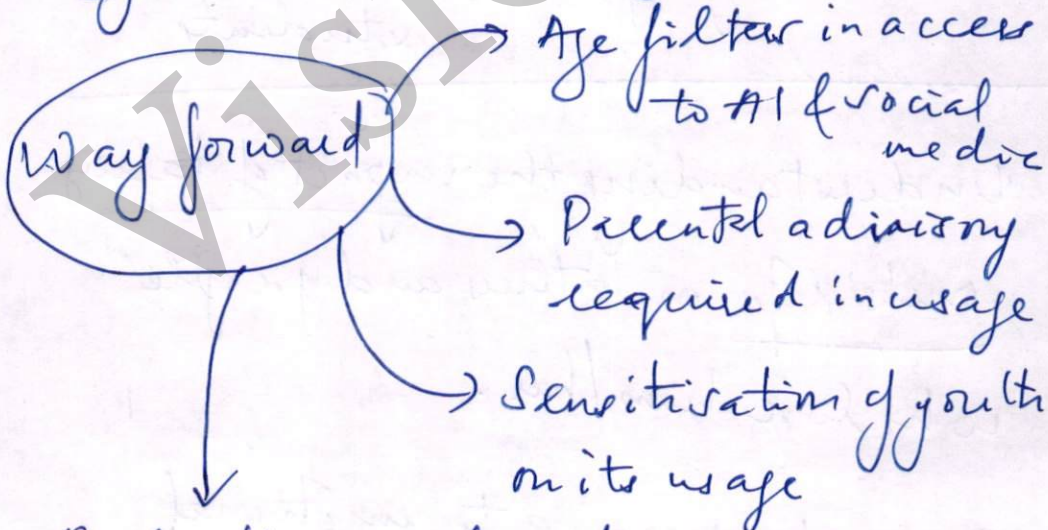
उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

lead to decline in moral values due to presence of vast amount of knowledge that may be forbidden. (Eg) Pornography and erotic material in AI or social media.

④ Technology replacing family and community institutions for primary socialisation impacting children.

⑤ Algorithmic bias of AI having extreme opinions among youth.

(Eg) Racism subtly promoted by AI.



Restricting social media companies on participation among children.

Hence there needs to be an overarching regulatory setup to address this issue

5. (b)

भारत में छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के आलोक में, चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता (ई.आई.) तनाव और भावनात्मक चुनौतियों के प्रबंधन में किस प्रकार सहायता कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In light of the increasing incidents of suicides among students in India, discuss how Emotional Intelligence (EI) can aid in managing stress and emotional challenges. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस ह्रासिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Emotional Intelligence

is the method by which one is able to understand and relate to the emotions of others and oneself.

It can act as an effective bulwark against mental health challenges of students. Eg: Student suicides by ^{UPSC} aspirants

EI in managing stress & emotions for students

① Understanding the impact of taking one's life on others and people who love him/her.

② Prompt response to emotional anxiety & stress by approaching for help. (Eg) Manodanjan

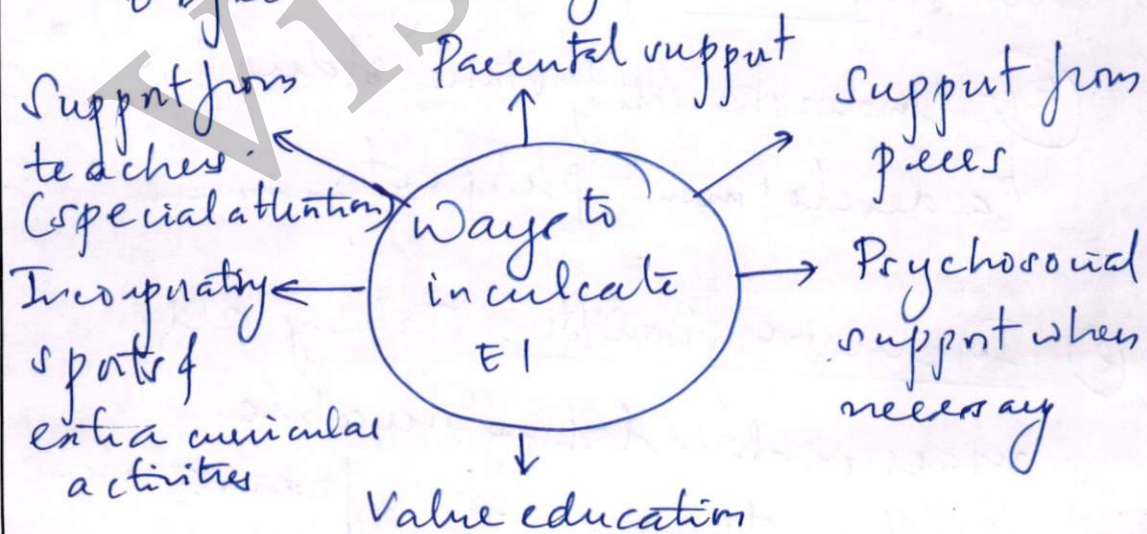
initiative by the government to support
students

③ Increasing self awareness of the
situation he/she is in. (E) Understanding
marks in an exam doesn't decide his/her
future for a life, he has chances to
improve

④ Healthy competition among peers

(E) Understanding strengths & weakness
of oneself and his/her peers

⑤ Not giving into peer pressure by
objective thinking.



Hence emotional intelligence need to
be inculcated for a peaceful & healthy
life of students.

6. (a)

लोक सेवा में, भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ भावनाओं को दबाना नहीं, बल्कि समानुभूति और शक्ति के साथ दूसरों से जुड़ने, तनाव या टकराव शांत करने तथा उनका उत्थान करने के इसके उद्देश्य में निपुणता प्राप्त करना है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

In public service, emotional intelligence is not about suppressing emotion, but mastering its purpose — to connect, to de-escalate, and to uplift others with empathy and strength. Do you agree with this view? Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

← Emotional intelligence is the ability to understand what is the right thing to do in the current situation. It takes into consideration one's emotions and emotions of others.

EI in public service

① Understanding diverse perspectives and opinions for policy making.

② Understanding stakeholders for a development project.

③ Inclusive growth: Taking all marginalised & vulnerable communities within the framework.

④ Kalidasa Sathyarthi helping

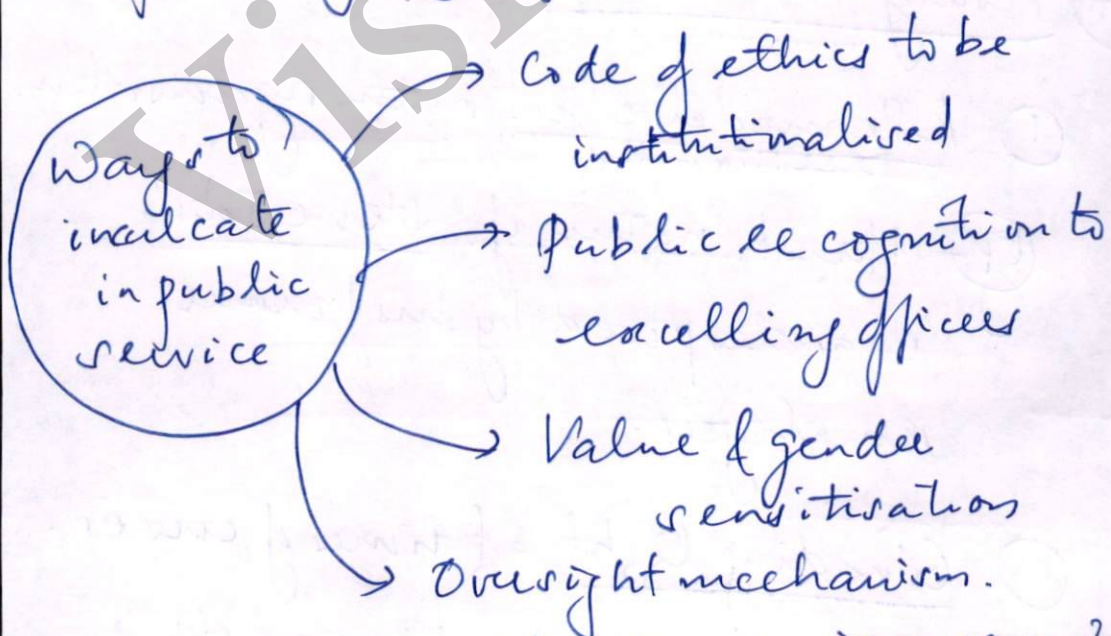
Orphaned children.

③ Conflict resolution in case of social issues. (Eg) Diplomatic efforts through talk in resolving Jamnu protest in 2020

④ Prompt grievance redressal in public service

(Eg) Grievance redressal in service delivery by Panchayats

⑤ Social justice : Treating people at most disadvantaged situation more positively. (Eg) Affirmative action.



Hence EI in public service is a necessity to ensure good governance.

6. (b)

एक कुशल कार्य संस्कृति का निर्माण केवल नियमों पर नहीं, बल्कि साझा मूल्यों पर आधारित होता है। इस संदर्भ में, किसी संगठन के भीतर कार्य संस्कृति को परिवर्तित करने में नेतृत्व और टीम के पारस्परिक व्यवहार के तरीके की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

An efficient work culture is built not only on rules, but on shared values. In this context, evaluate the role of leadership and team dynamics in transforming work culture within an organization. (Answer in 150 words)

10

Work culture is the unaided rules and values that guide a workplace to required goal. The leadership and team dynamics plays a pivotal role in this. ~~Eg~~ Eg ~~Take~~ Take as a leader.

Transforming Work culture

(A) Role of leadership

① Role model effect on the organisation.

Eg Harsh nature of 'Steve Jobs' was despised by his former employees.

② Guiding light at times of crises.

Eg Ethical leadership can show the organisation

What is right at times of crises.

③ ~~base~~ Correcting deviances in the organisational values. (E) Ratan Tata's emphasis on altruism.

④ Consensus building within the team leads to democratic ethos in work culture.

(B) Team Dynamics

① Fairness: Treating all employees equally provides for merit

② Healthy competition: provides for ~~more~~ better outcomes than ~~others~~.

③ Addressing needs of each employee leads to positive work culture.

④ Collaboration lifts up the productivity of organisation.

The work culture in organisations like Alphabet Inc is ~~here~~ famed because of ethical leadership & positive environment

7. आप एक राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, सरकार ने कई नागरिक-केंद्रित डिजिटल सेवाएं लागू की हैं, जिनके माध्यम से बड़ी मात्रा में निवासियों से व्यक्तिगत डेटा एकत्र किया जा रहा है। डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (DPDP) अधिनियम, 2023 के अनुसार, ऐसे डेटा को केवल स्पष्ट और सूचित सहमति के साथ ही संसाधित किया जाना चाहिए और यदि व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले लेता है, तो डेटा का संसाधन तुरंत रोकना अनिवार्य है।

एक आंतरिक ऑडिट के दौरान, आपको पता चलता है कि विभाग कई नागरिकों के व्यक्तिगत डेटा को उनके द्वारा अपनी सहमति औपचारिक रूप से वापस लेने के बावजूद संसाधित और विश्लेषित कर रहा है। इस डेटा का उपयोग नीति विश्लेषण और सेवा सुधार जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, जो डेटा एकत्र करते समय स्पष्ट रूप से बताए नहीं गए थे। जब आप इस मुद्दे को विभाग प्रमुख के संज्ञान में लाते हैं, तो आपको बताया जाता है कि डेटा संसाधन को रोकने से चल रही डिजिटल पहलें बाधित हो सकती हैं और राज्य स्तर के प्रदर्शन संकेतक प्रभावित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आपको यह भी पता चलता है कि सहमति वापसी की प्रक्रिया अत्यधिक जटिल है और अधिकांश नागरिकों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अपने अधिकारों की जानकारी नहीं है।

आपको यह भी पता चलता है कि एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता व्यक्तिगत डेटा के बिना सहमति के उपयोग के विरुद्ध डेटा संरक्षण बोर्ड में शिकायत दर्ज कराने की योजना बना रहा है, जिससे विभाग के विरुद्ध सार्वजनिक जांच और विधिक कार्रवाई हो सकती है।

- (a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान करते हुए उन पर चर्चा कीजिए।
(b) यदि इस मुद्दे का पारदर्शी तरीके से समाधान नहीं किया गया तो विभाग के लिए संभावित परिणाम क्या हो सकते हैं?
(c) आप कुशल लोक सेवा वितरण की आवश्यकता और नागरिकों के डेटा अधिकारों की सुरक्षा के दायित्व के बीच किस प्रकार संतुलन स्थापित करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Joint Secretary in the Department of Information Technology of a state. The government recently implemented several citizen-centric digital services, collecting large volumes of personal data from residents. The Digital Personal Data Protection (DPDP) Act, 2023, requires that such data be processed only with explicit and informed consent, and mandates that processing must cease immediately upon withdrawal of consent.

During an internal audit, you discover that the department continues to process and analyze personal data of several citizens even after they have formally withdrawn their consent. This data is being used for policy analytics and service improvement, purposes not explicitly disclosed at the time of data collection. When you bring this to the attention of your department head, you are informed that halting the processing will disrupt ongoing digital initiatives and may affect state-level performance metrics. Moreover, you find that the consent withdrawal process is cumbersome, and many citizens are unaware of their rights under the DPDP Act.

You also learn that a prominent social activist is planning to file a complaint with the Data Protection Board against involuntary use of personal data, which could attract public scrutiny and legal action against the department.

- (a) Identify and discuss the ethical issues involved in this case.
(b) What are the potential consequences for the department if the issue is not addressed transparently?
(c) How would you balance the need for efficient public service delivery with the obligation to protect citizens' data rights? (Answer in 250 words)

20

The case study talks about the necessity to get prior informed consent in case of personal data according to the latest DPDP act, 2023. Such deviant methods have been utilised by several social media platforms to gather data earlier \Rightarrow Facebook data leak.

(a) The ethical issues involved in the case are:-

- ① Violation of law under DPDP act, not getting necessary consent or withdrawal of consent.
- ② Deontological ethics focuses on ends of providing policy analytics and service improvement should be through legitimate means.
- ③ Lack of transparency - Purpose of data collection not fully disclosed at the time of collection.

- ④ Lack of awareness among common public whose data is being used.
 - ⑤ Cumbersome process of consent with drawal hampering rights of people.
 - ⑥ Potential legal action by activist
- ⑥ Potential consequences for department are:-
- ① Legal action and suspension for joint secretary for inaction and lack of transparency.
 - ② Loss of credibility to the department as a whole.
 - ③ Stalling of welfare projects in the government departments due to lack of proper data.
 - ④ Trust issues for general public

to the government and department.

⑤ Loss of integrity and black mark on government projects and involved officials.

(c) Balancing need for efficient public service delivery with obligation to protect citizen's rights:-

① Upholding rule of law - Anything that violates law shouldn't be encouraged.

② Code of ethics & code of conduct for civil servants.

③ Maintain high standards of transparency for general public

④ Making process easily understandable to general public

Here as joint secretary, I would ask to stop the processing of data and use transparent and

efficient collection of data with
prior consent from the people.

Concentration must be given to
those who withdrew their consent.

Further the consent form should
be made transparent, accessible
and easily understandable.

For the time being
data of remaining people may be
processed.

Hence upholding transparency,
accountability & rule of law is necessary
in public service.

आप एक IAS अधिकारी हैं और वर्तमान में एक पहाड़ी राज्य में लोक निर्माण विभाग के सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल ही में, एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अभियंताओं से जुड़ी एक गंभीर घटना सामने आई है। एक महत्वपूर्ण राजमार्ग परियोजना के निरीक्षण के दौरान, मंत्री को कथित रूप से एक वीडियो में सार्वजनिक रूप से अभियंताओं के साथ शारीरिक उत्पीड़न और अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए देखा गया। यह वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों द्वारा रिकॉर्ड किया गया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया तथा टेलीविजन चैनलों द्वारा भी इसे व्यापक रूप से कवर किया गया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों में आक्रोश और समर्थन दोनों देखने को मिला। बाद में मंत्री ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी भ्रष्ट हैं, स्थानीय शिकायतों के प्रति अनुत्तरदायी हैं और परियोजना में अत्यधिक विलंब के लिए जिम्मेदार हैं। मंत्री द्वारा यह भी कहा गया कि उसका व्यवहार जनता की निराशा और दूरस्थ क्षेत्र में समय पर अवसंरचना के निर्माण की आवश्यकता से प्रेरित था।

हालांकि, अभियंताओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साथ ही, उन्होंने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर यह दावा किया है कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने मंत्री से जुड़े स्थानीय ठेकेदारों को ठेका देने के लिए डाले जा रहे राजनीतिक दबाव का विरोध किया था। स्थिति के अधिक गंभीर होने पर, NHAI अभियंताओं के एक संघ ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई और अधिकारी की गरिमा की रक्षा की मांग करते हुए हड़ताल की घोषणा कर दी। इसके कारण कई महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजनाएं ठप हो गई हैं, जिनमें जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क, मानसून पूर्व मरम्मत कार्य और सामरिक सीमा सड़कें शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने आपको तथ्यान्वेषण रिपोर्ट तैयार करने के साथ ही राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस बीच, मंत्री का कार्यालय आप पर अनौपचारिक रूप से घटना को कम महत्वपूर्ण दिखाने का दबाव बना रहा है। मीडिया दो भागों में बंटा हुआ है — कुछ मंत्री को भ्रष्टाचार के विरुद्ध योद्धा के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि अन्य इसे प्रशासनिक आचरण और विधि के शासन का गंभीर उल्लंघन बता रहे हैं। विभिन्न विभागों के सिविल सेवकों ने व्यक्तिगत सुरक्षा, गरिमा और राजनीतिक हस्तक्षेप की बढ़ती घटनाओं के संबंध में चिंता व्यक्त की है, वहीं अवरुद्ध अवसंरचना कार्यों के कारण नागरिकों में भी असंतोष बढ़ रहा है।

- इस प्रकरण में शामिल प्रमुख नैतिक मुद्दे क्या हैं? हितधारकों और उनके परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- लोक निर्माण विभाग के सचिव के रूप में, आप उपर्युक्त स्थिति में क्या कार्रवाई करेंगे?
- ऐसी घटनाएं सिविल सेवकों के मनोबल और शासन में जनता के विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IAS officer, currently serving as the Secretary of the Public Works Department in a hill state. Recently, a disturbing incident has come to light involving a senior Cabinet Minister and two engineers of the National Highways Authority of India (NHAI). During an inspection of a critical highway project, the Minister was allegedly seen on video physically assaulting and verbally abusing the engineers in full public view. The video, recorded by bystanders, went viral on social media and was widely covered by television channels, sparking both outrage and support from different sections of society. The Minister later defended his actions, alleging that the officials were corrupt, unresponsive to local grievances, and responsible for inordinate delays in the project. He insisted that his actions were driven by public frustration and the urgency of delivering infrastructure to a remote region.

However, the engineers have filed a police complaint and written to their superiors, claiming they were targeted for resisting political pressure to award contracts to specific local contractors linked to the Minister. As the situation escalated, a union of NHAI engineers declared a strike,

demanding action against the Minister and protection of officer dignity. This has brought several critical infrastructure projects to a standstill, including road connectivity to tribal areas, pre-monsoon repair works, and strategic border roads.

You have been directed by the Chief Secretary to prepare a fact-finding report, while also ensuring smooth coordination between state and central agencies. Meanwhile, the Minister's office is informally pressuring you to downplay the incident. The media is sharply divided — some portraying the Minister as a crusader against corruption, others condemning the act as a serious breach of administrative ethics and rule of law. Civil servants across departments have expressed concern about personal safety, dignity, and increasing political interference, while citizens are now growing restless due to halted infrastructure works.

- (a) What are the key ethical issues involved in this situation? Identify the stakeholders and their conflicting interests.
- (b) As the Secretary of the PWD, what actions will you take in above situation?
- (c) How do such incidents affect the morale of civil servants and public trust in governance?
(Answer in 250 words)

20

The issue involves a duty of civil servant to be impartial and objective in finding out facts of a situation that has boiled over into an emotional issue. There was a similar case in Goa when a minister was seen assaulting a doctor-in-charge of a govt hospital.

(a) Key ethical issues involved are:-

- ① Physical assault on engineers by minister is dates law.
- ② Allegations by minister on corruption & delays by engineers.

- ③ Political pressure on engineers to award contracts (favouitism)
↳ claims by engg
- ④ Rights of common people impacted due to stalling of projects.
- ⑤ Impartiality & objectivity to be maintained for fact finding report despite pressure.
- ⑥ Safety & dignity of civil servants in question.

Stakeholders and their interests are:-

- ① Engineers: Assured protection and action against minister on claims of his pressure to award contracts to his people.
- ② Minister: Pressuring ~~the~~ me (Secretary) to take the incident lightly. Prove the engineers are corrupt and at wrong.
- ③ Other civil servants: Worried for their safety and dignity.

④ Me (Secretary of PWD) : Stay impartial and objective to come out with report

⑤ Public : Grievous due to stalling of crucial infra projects.

(b) As Secretary of PWD, I will :-

① First collect evidence of the incident in question - video of witness testimonies.

② Provide a space to represent themselves to engineers and ministers.

③ Conduct background check on the allegations raised by ministers and engineers.

④ Call a meeting with NHA engineers to affirm impartial action on the situation & judge them

to resume work.

(5) Report the independent and impartial findings to the chief secretary, despite pressures.

(c) Impact of such incidents :-

(A) Morale of civil servants

① Decline in incentive to work for common good.

② Potential risk averse nature in the future

③ Lack of public morale for civil servants impacting productivity

(B) On public trust

① Trust deficit with public

② Loss of credibility due to projects stopped

③ Loss of rights of common public due to poor infra

Hence balance between political & permanent executive is a necessity with respect of accountability.

आप भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (DoPT) में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। हाल के वर्षों में, लोक सेवकों, विशेष रूप से IAS, IPS और IRS से संबंधित ऐसे युवा अधिकारियों की संख्या में वृद्धि हो रही है, जो अपने व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल और सोशल मीडिया पेज बना रहे। इन प्लेटफार्मों पर, वे नियमित रूप से अपने आधिकारिक कार्यों — नवाचारी परियोजनाओं, जनसंपर्क पहलों, निरीक्षण यात्राओं और कभी-कभी दैनिक प्रशासनिक गतिविधियों - से संबंधित वीडियो भी पोस्ट करते हैं।

इन वीडियो पर प्रायः व्यापक रूप से जनता द्वारा ध्यान केंद्रित दिया जाता है और कई दर्शक यह कहते हुए इसकी सराहना करते हैं कि ऐसी सामग्री पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, अभ्यर्थियों को प्रेरित करती है और नौकरशाही को मानवीय बनाती है। हालांकि, विभिन्न वर्गों से कुछ चिंताएं भी सामने आई हैं। वरिष्ठ अधिकारी तर्क देते हैं कि ऐसी सामग्री व्यक्तिगत ब्रांडिंग और लोक सेवा के बीच की सीमाओं को धुंधला कर सकती है, जबकि कुछ नागरिक और मीडिया विश्लेषक ऐसे उदाहरणों की ओर संकेत करते हैं, जहां वीडियो में बिना सहमति के सुभेद्य लाभार्थियों को दिखाया जाता है, आधिकारिक परिसरों का दुरुपयोग किया जाता है या ऐसा प्रतीत होता है कि वीडियो सार्वजनिक उत्तरदायित्व की तुलना में व्यक्तिगत लोकप्रियता बढ़ाने हेतु बनाए गए हैं।

एक प्रकरण में, एक जिलाधिकारी को एक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों को कैमरे पर डांटते हुए देखा गया — यह वीडियो बाद में उनके व्यक्तिगत यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किया गया, जो मोनेटाइज भी है। कुछ लोगों ने अधिकारी द्वारा अपनाए गए सख्त रवैये की सराहना की, जबकि अन्य ने शिक्षकों को सार्वजनिक रूप से डांटने और सेवा की गरिमा का उल्लंघन करने की आलोचना की। एक अन्य मामले में, एक पुलिस अधिकारी को बाढ़ बचाव अभियान का निर्देशन करते हुए देखा गया, जहां उसके कर्मचारी ड्रोन कैमरे में माध्यम से इसे फिल्मा रहे थे, जिसे बाद में सोशल मीडिया के लिए एक प्रेरणादायक वीडियो के रूप में संपादित किया गया। आपको लोकहित, संस्थागत सत्यनिष्ठा और संचार के बदलते तरीकों के बीच संतुलन बनाए रखने हेतु अनुशंसाओं सहित एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

- लोक सेवकों द्वारा अपने आधिकारिक कार्यों को सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के कृत्यों में शामिल नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।
- क्या ऐसी प्रथाएं जागरूकता और प्रेरणा को प्रोत्साहन देती हैं या क्या ये अनामिता, तटस्थता और सामूहिक सेवा भावना के मूल्यों से समझौता करती हैं? अपना मत दीजिए।
- सचिव के रूप में, लोक सेवकों की उत्तरदायी डिजिटल सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आप कौन-से मार्गदर्शक सिद्धांत और नीतिगत अनुशंसाएं सुझाएंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Secretary in the Department of Personnel and Training (DoPT), Government of India. In recent years, an increasing number of civil servants, particularly younger officers from the IAS, IPS, and IRS, have begun maintaining personal YouTube channels and social media pages. On these platforms, they regularly post videos related to their official work — showcasing innovative projects, public outreach initiatives, inspection drives, and sometimes even day-to-day administrative duties.

These videos often receive widespread public attention, and many viewers express admiration, saying such content enhances transparency, motivates aspirants, and humanizes the bureaucracy. However, concerns have also emerged from various quarters. Senior officers argue that such content may blur the boundaries between personal branding and public service, while some citizens and media commentators point to instances where videos feature vulnerable beneficiaries without consent, raise concerns about misuse of official premises, or seem designed more for personal popularity than public accountability.

In one case, a district magistrate was seen filming a surprise school inspection in which teachers were scolded on camera — the video was later posted to his personal YouTube channel that is also monetized. While some praised the officer's strictness, others criticized the public shaming of teachers and the breach of service dignity. In another case, a police officer was seen directing a flood rescue operation while his staff filmed drone footage, later edited into a motivational video for social media. You have been asked to prepare a report with recommendations to balance public interest, institutional integrity, and evolving modes of communication.

- (a) Identify the ethical issues involved in civil servants publicly showcasing their official work on social media.
- (b) Do such practices promote awareness and motivation, or do they compromise the values of anonymity, neutrality, and collective service ethos? Give your opinion.
- (c) As the Secretary, what guiding principles and policy recommendations would you suggest to ensure responsible digital engagement by civil servants? (Answer in 250 words) 20

The issue involves the issue use of social media as a tool of engagement and personal glory by civil servants than one for necessary public accountability. The values of anonymity, integrity and selflessness need to be upheld.

(a) Ethical issues involved are:-

① Violation of consent of vulnerable beneficiaries.

② Personal branding on public accountability.

③ Violation of civil service conduct rules in accepting income via

youtube video monetisation.

- ④ Compromising anonymity of the service.
- ⑤ Misuse of official premises and facilities for personal needs
- ⑥ Misuse of resources at times of crises in case of flood rescue video
- ⑦ Breach of service dignity of teachers or public shaming.

(b) Practice of promoting awareness of motivation:-

- ① Humanizing the civil service.
- ② Reducing distance between people and the state through communication
- ③ Awareness about work done by local administration and their duties

④ Motivation to aspirants and others to do selfless work

Compromising values:-

- ① Anonymity of the service ~~is~~ compromised as the office alone cannot do much and it is the system as a whole
- ② Public shaming of officials leads to loss of morale and dignity of teachers.
- ③ Disproportionate focus on personal brand building than transparency
- ④ Neutrality compromised by misusing resources.
- ⑤ Violation of civil service conduct rules ⇒ accepting in come.

(C) Policy recommendations:-

- ① Avoiding supplementary in come through youtube monetisation.

- ② Avoid use of camera & videography at times of official work.
- ③ Making use of official social media pages or personal ones for transparency & grievance redressal.
- ④ Strict disciplinary action against those misusing resources for personal branding.
- EG Kerala District magistrates and secretaries are expected to communicate only through official media handles.

Hence the idea of anonymity, selflessness and integrity needs to be upheld.

आप नेशनल बायोएथिक्स कमीशन के निदेशक हैं, जो एक राष्ट्रव्यापी जीन अनुक्रमण कार्यक्रम की नैतिक व्यवहार्यता और निगरानी का आकलन करने के लिए उत्तरदायी हैं। "जीन फ्यूचर" नामक इस परियोजना का उद्देश्य प्रत्येक नवजात शिशु के डी.एन.ए का अनुक्रमण करना और उसे एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस में संग्रहीत करना है। इसका उद्देश्य जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही गंभीर बीमारियों के प्रति आनुवंशिक प्रवृत्तियों की पहचान करना है, ताकि निवारक उपचार और वैयक्तिकृत चिकित्सा संभव हो सके। इस कार्यक्रम के प्रायोगिक चरण में पहले ही 1,00,000 से ज्यादा शिशुओं को नामांकित किया जा चुका है। सरकार का दावा है कि यह जन स्वास्थ्य उन्नति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

यद्यपि, नवजात शिशुओं के आनुवंशिक डेटा का संग्रह गंभीर नैतिक चिंताएँ उत्पन्न करता है, विशेष रूप से सूचित सहमति के संबंध में, जो संभवतः दीर्घकालिक जोखिमों के बारे में माता-पिता की समझ को पूरी तरह से नहीं दर्शाती है। एक बार एकत्रित हो जाने के बाद, इस संवेदनशील डेटा का दुरुपयोग निगरानी, बीमा भेदभाव या तृतीय पक्षों द्वारा व्यावसायिक विपणन जैसे उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। डेटा के स्वामित्व को लेकर अनिश्चितता—कि यह राज्य का है, माता-पिता का है, या उस बच्चे का है जब वह वयस्क होगा—इस मुद्दे को और जटिल बना देती है। निजी तकनीकी और दवा कंपनियों की संलिप्तता से वाणिज्यिक शोषण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस प्रकार के स्पष्ट तंत्र के अभाव में, जिसके तहत वयस्क होने पर व्यक्ति अपनी सहमति वापस ले सकता है या अपनी आनुवंशिक जानकारी को हटा सकता है।

- आपके विचार में जीन फ्यूचर कार्यक्रम के कार्यान्वयन में कौन-से नैतिक मुद्दे शामिल हैं?
- इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों के परस्पर विरोधी हितों की पहचान कीजिए।
- इस परियोजना के कार्यान्वयन के लिए आप किन मार्गदर्शक नैतिक सिद्धांतों की अनुशंसा करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are the Director of the National Bioethics Commission who is responsible for assessing the ethical feasibility and oversight of a nationwide gene sequencing program. The project named GeneFuture, aims to sequence the DNA of every newborn child and store it in a centralized national database. The objective is to identify genetic predispositions to serious diseases early in life, allowing for preventive treatment and personalized medicine. Over 100,000 babies have already been enrolled in the pilot phase of the program. The government claims that this move is a landmark step in public health advancement.

However, collection of newborn genetic data raises significant ethical concerns, particularly around informed consent, which may not fully capture parents' understanding of the long-term risks involved. Once gathered, this sensitive data could be misused for purposes such as surveillance, insurance discrimination, or commercial marketing by third parties. Uncertainty over data ownership—whether it lies with the state, parents, or the individual as they mature—further complicates the issue. The involvement of private tech and pharmaceutical companies heightens fears of commercial exploitation, especially in the absence of clear mechanisms for individuals to withdraw consent or delete their genetic information upon reaching adulthood.

- What are the ethical issues you perceive in the implementation of the GeneFuture program?
- Identify the conflicting interests of different stakeholders in this case.
- What guiding ethical principles would you recommend for implementation of this project?
(Answer in 250 words)

The case study involves the idea of ethical usage of data and its use in technology for genome sequencing especially of newborn babies. Here values of transparency, accountability and informed consent to be upheld

(a) Ethical issues involved :-

- ① Informed consent may be violated as parents aren't fully aware.
- ② Future and destination of data collected unknown - lack of transparency
- ③ Loss of rights of people as no set method to withdraw consent.
- ④ Commercial exploitation potential in the future.
- ⑤ Lack of accountability due to

uncertain future of data ownership.

(b) Conflicting interest for stakeholders:-

① Gene future: Understand genetic predisposition to disease of newborn babies by sequencing.

② Government: Seen as landmark step in public health.

③ Parents: Informed consent may be violated, inability to withdraw

④ consent & knowledge of its future use and destination.

④ Me (Director): Take all stakeholders into consideration & create a feasibility study on ethical values.

(c) Guiding principles for implementation of the project

① Prior informed consent: From all the parents whose ~~are~~ newborns

Practices are to be sequenced -

- ② Transparency: As to what is the use of this data and criteria on its destination.
- ③ Information symmetry: on the ownership of this data.
- ④ Accountability & penal provisions in case of misuse of data by company.
- ⑤ Rule of law according to DPDP act on providing informed consent and withdrawal.

Hence upholding transparency and accountability is necessary in such large scale ~~widely~~ impactful scientific developments.

उम्मीदवारों को
इस हार्गिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

VisionIAS

11.

आप एक समर्पित जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं और आप साक्ष्य-आधारित जन स्वास्थ्य पद्धतियों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता रखते हैं। हाल ही में, आपको भारत के एक दूरस्थ जिले में नियुक्त किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य एक प्रमुख जिला-व्यापी खसरा-रूबेला (MR) टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करना है, जिसका उद्देश्य 9 महीने से 15 वर्ष की आयु के बच्चों में 100% टीकाकरण कवरेज प्राप्त करना है। इस अभियान की सफलता हजारों बच्चों के सामूहिक स्वास्थ्य और जिले के समग्र स्वास्थ्य संकेतकों के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से तब जब आने वाला मानसून का मौसम स्वास्थ्य संबंधी अतिरिक्त चुनौतियां उत्पन्न कर सकता है।

हालांकि, आपके जिले के सबसे बड़े और सबसे पारंपरिक गाँवों में से एक में, आपको अत्यधिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है। एक प्रतिष्ठित स्थानीय आध्यात्मिक गुरु के उपदेशों से अत्यधिक प्रभावित ग्रामीणों का दृढ़ विश्वास है कि टीकाकरण दुष्ट आत्माओं का आक्रमण है एवं बाहरी ताकतों द्वारा उनकी आबादी को नियंत्रित करने का एक प्रयास है और यह उनके बच्चों में बांझपन का कारण बनेगा। वे ज़ोर देकर कहते हैं कि उनके पारंपरिक औषधीय उपचार और अनुष्ठानिक आशीर्वाद ही पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, जो वास्तव में नेकनीयत किंतु अडिग व्यक्ति है, वास्तविक रूप से मानते हैं कि ये टीके हानिकारक होते हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपने अनुयायियों को इसका विरोध करने की सलाह दी है। इसके लिए वह टीकाकरण की कुछ कथित 'विफलताओं' और प्राचीन भविष्यवाणियों का उदाहरण देता है। पारंपरिक जीवन-शैली का पालन करने वाले समुदाय के लिए उसके निर्देश या सलाह सर्वोपरि हैं। इसके कारण व्यापक जागरूकता अभियानों के बावजूद, गाँव में टीकाकरण शिविरों का लगभग पूर्ण बहिष्कार किया गया है। आपके स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को, जिनमें से कुछ स्थानीय हैं और जिन्हें सामाजिक बहिष्कार या यहाँ तक कि शारीरिक हमले का भय है, तीव्र विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य स्वास्थ्य विभाग टीकाकरण लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अत्यधिक दबाव बना रहा है और चेतावनी दे रहा है कि यदि कोई ज़िला इन लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। साथ ही, विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में न किया जाए क्योंकि इससे जन असंतोष उत्पन्न हो सकता है। साथ ही, विभाग ने 'सहमति-आधारित' लोक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने पर भी बल दिया है। इसी बीच, एक बड़ा वार्षिक मेला आयोजित होने वाला है जिसमें कई गाँवों और क्षेत्रों से लोग शामिल होंगे। यदि यह गाँव बिना टीकाकरण के रह गया, तो इससे खसरा-रूबेला (MR) के प्रकोप के प्रसार का तात्कालिक और गंभीर खतरा है, जो पूरे जिले और संभवतः उससे आगे तक फैल सकता है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- इस विरोध को शांत करने के लिए आपके पास तत्काल क्या विकल्प उपलब्ध हैं?
- अंधविश्वास के व्यापक प्रभाव को दूर करने और संधारणीय लोक स्वास्थ्य परिणामों हेतु वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए आप कौन-सी दीर्घकालिक रणनीतियां और प्रणालीगत सुधारों का सुझाव देंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a dedicated District Health Officer (DHO) with a strong commitment to evidence-based public health practices, recently assigned to a remote district in India. Your immediate and most critical task is to lead a crucial district-wide Measles-Rubella (MR) vaccination drive, aimed at achieving 100% immunization coverage among children aged 9 months to 15 years. The success of this drive is vital for the collective health of thousands of children and for the district's overall health indicators, especially with the impending monsoon season posing additional health challenges.

However, in one of the largest and most traditional villages in your district, you encounter formidable resistance. The villagers, deeply influenced by the pronouncements of a revered local

spiritual leader, firmly believe that vaccinations are an intrusion by malevolent spirits, an attempt by external forces to control their population, or will cause infertility in their children. They insist that their traditional herbal remedies and ritualistic blessings are sufficient protection. This spiritual leader, a genuinely well-meaning but unyielding figure, sincerely believes these vaccinations are harmful and has publicly advised his followers against them, citing anecdotal 'failures' and ancient prophecies. His word is paramount for the community's adherence to traditional ways of life. This has led to an almost complete boycott of the vaccination camps in the village, despite extensive awareness campaigns. Your health workers, some of whom are local and fear social ostracization or even physical harm, are facing intense hostility. The state health department is exerting immense pressure to achieve targets, warning of severe consequences for any district failing to meet the immunization goals. Simultaneously, they strictly caution against any use of force that could lead to public unrest, emphasizing the need for 'consensus-based' public health. An impending large annual fair, which will draw crowds from multiple villages and regions, heightens the immediate and severe risk of a rapid MR outbreak if this village remains unvaccinated, posing a grave threat to the wider district and potentially beyond.

- (a) Discuss the ethical issues involved in the above case.
(b) What are the immediate options available to you to overcome this resistance?
(c) What long-term strategies and systemic reforms would you suggest to address the pervasive influence of superstition and foster a scientific temperament for sustainable public health outcomes? (Answer in 250 words)

20

The case study involves the issue of right to health of children being violated by superstitions and quackery. The constitution in Article 51 (a) (h) ~~looks~~ ^{duty} to uphold the scientific temper among populations

(c) Ethical issues involved are:-

① Right to health of the children being violated by superstitions adults

② Lack of scientific temper on vaccinations

and its effects.

- ③ Misinformation of disinformation spread by spiritual figure.
- ④ Portraying herbal remedies as alternative for MMR vaccine
- ⑤ Impending disease outbreak due to monsoon and upcoming Jai
- ⑥ Social ostracization of potential haem to medical team.

(b) Immediate ^{options} actions to be taken are:-

Option 1: Take action against the spiritual leader for his misinformation campaign.

Pros

- Misinformation stopped
- Might encourage same for vaccination
- Deterrence for future

Cons

- Social unrest ~~as~~ by community
- Violation of ~~order~~ ^{order} from the top

Option 2 Do not act against the
spiritual leader, maintain status
quo

Pros

→ No social unrest

Cons

→ No vaccination
↳ rage

→ Further misinfo

→ Health consequences

Option 1 Sit together with the leader
and talk about the potential benefits
of the vaccination. Educate him that
~~your~~ my son (DHO's) daughter has
taken. Explain to him success stories
of adjacent villages, look for consensus.

Pros

→ No social unrest

→ As per official
orders

→ Consensus building

Cons

→ Lack of future
deterrence.

→ Misinfo maybe
spread by others.

It would be prudent to select option 3 based on consensus than force.

- (c) Long term strategy of public reforms: -
- ① Increase in educational outcomes of all students and youth in the area.
 - ② Periodic dissemination of information on nutrition & health outcomes.
 - ③ Inviting other spiritual leaders and scientists to talk about health and scientific temper ^{consequences}
 - ④ Show potential ~~case studies~~ of believing in superstitions over health outcomes.

Hence a combination of scientific temper, health literacy and consensus building is the way out.

12.

आप एक अत्यंत प्रेरित और सिद्धांतवादी प्रधान ग्राम पंचायत सचिव हैं। हाल ही में, आपको एक दूरस्थ जिले में स्थित एक बड़े और सामाजिक-आर्थिक रूप से विविधतापूर्ण गाँव में पदस्थ किया गया है। आपका तात्कालिक और सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्य 'ग्रामीण आवास योजना' के लाभार्थियों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करना है — यह राज्य की एक प्रमुख आवासीय योजना है, जिसका उद्देश्य वास्तव में गरीब और भूमिहीन परिवारों को 'पक्का' (ईंटों से बना) घर उपलब्ध कराना है। इस योजना की समय-सीमा बहुत कम है और निधियों की प्राप्ति सटीक व त्वरित लाभार्थी चयन पर निर्भर करती है। जिला कलेक्टर की ओर से निष्पक्षता और पारदर्शिता पर बल देते हुए किसी भी कदाचार के विरुद्ध स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गयी है।

वार्ड क्रमांक 3 में घर-घर जाकर मेहनत से किए गए आपके सत्यापन के दौरान, आपको पता चलता है कि श्री इंदर सिंह, एक व्यापक रूप से स्वीकृत 'बाहुबली' व्यक्ति है, जिसके परिवार के पास अपनी भूमि और व्यापक स्थानीय नेटवर्क की वजह से महत्वपूर्ण अनौपचारिक शक्ति और प्रभाव है, को अस्थायी रूप से एक पात्र लाभार्थी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अवस्थिति पर आपके द्वारा किए गए आकलन से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि श्री सिंह एक विशाल, बहुमंजिला 'पक्के' घर में रहता है और उसकी वित्तीय स्थिति 'गरीबी रेखा से नीचे' जीवन-यापन करने वाले परिवारों हेतु योजना के सख्त पात्रता मानदंडों से काफी ऊपर है। जब आप उसकी पात्रता पर प्रश्न उठाते हैं, तो श्री सिंह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है। वह अपने परिवार के गांव में 'अद्वितीय योगदान' और चल रहे उच्च प्राथमिकता वाले जिला स्तरीय 'जल सुरक्षा अभियान' के लिए समर्थन जुटाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का हवाला देता है। वह स्पष्ट रूप से कहता है कि उसका नाम हटाने की किसी भी कोशिश को न केवल एक गंभीर व्यक्तिगत अपमान माना जाएगा, बल्कि इससे उनके परिवार द्वारा जल अभियान से महत्वपूर्ण समर्थन भी वापस लिया जा सकता है, जिससे पूरे जिले के प्रयास खतरे में पड़ सकते हैं और इससे हज़ारों किसान प्रभावित होंगे। उसने आगे चेतावनी दी कि वह भविष्य में होने वाले विकास कार्यों के विरुद्ध व्यापक स्थानीय प्रतिरोध को उग्र कर सकता है, जिससे पंचायत का कामकाज पूरी तरह ठप्प हो जाएगा।

आप अच्छी तरह जानते हैं कि कई वास्तविक रूप से ऐसे गरीब परिवारों हैं जो जीर्ण-शीर्ण झोपड़ियों में रहते हैं और दशकों से ऐसी सहायता का इंतज़ार कर रहे हैं। श्री सिंह को शामिल करने से उनमें से किसी एक परिवार को अन्यायपूर्ण तरीके से बाहर करना होगा। आपके खंड विकास अधिकारी (BDO), राज्य के लक्ष्यों को पूरा करने के भारी दबाव में, आपको व्यक्तिगत तौर पर 'विनम्र' होने और सभी सरकारी योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए 'समग्र शांति और सहयोग' को प्राथमिकता देने की सलाह देते हैं। उन्होंने यह संकेत दिया है कि श्री सिंह जैसे प्रभावशाली व्यक्तियों को चुनौती देने से आपके पूरे कार्यकाल में 'अनावश्यक बाधाएं' उत्पन्न हो सकती हैं और आपकी भावी नियुक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। ग्राम समुदाय, श्री सिंह के अनुचित दावे को जानकर भी, उनके विरुद्ध खुलकर बोलने से डरते हैं, जिससे उनकी अयोग्यता की बाह्य पुष्टि कठिन हो जाएगी और आप इस विषय पर अकेले पड़ जाएंगे।

- आपके समक्ष विद्यमान संभावित प्रशासनिक और नैतिक दुविधाएं क्या हैं?
- आपके लिए उपलब्ध सभी विकल्पों पर चर्चा कीजिए।
- आप अपने निर्णय का नैतिक औचित्य सिद्ध करते हुए कौन-सी व्यापक कार्यवाही करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a highly motivated and principle-driven Gram Panchayat Secretary, recently posted in a large and socio-economically diverse village in a remote district. Your immediate and most critical task is the meticulous verification of beneficiaries for the 'Gramin Awas Yojana' – a flagship state housing scheme aimed at providing 'pucca' (brick) houses to the genuinely impoverished and landless households. The scheme is under tight deadlines, with funds

dependent on swift and accurate beneficiary selection. The District Collector has explicitly warned against any malpractices, emphasizing fairness and transparency.

During your diligent house-to-house verification in Ward No. 3, you discover that Mr. Inder Singh, a widely acknowledged 'strongman' whose family wields significant informal power and influence due to their landholdings and extensive local network, has been provisionally listed as an eligible beneficiary. Your on-ground assessment unequivocally reveals that Mr. Singh resides in a sprawling, multi-story 'pucca' house and his financial status is demonstrably far above the scheme's strict eligibility criteria for 'Below Poverty Line' families. When you subtly question his eligibility, Mr. Singh becomes overtly aggressive, citing his family's 'unparalleled contribution' to the village and his crucial role in mobilizing support for the ongoing, high-priority district-level 'Jal Suraksha Abhiyan' (Water Conservation Campaign), where his active cooperation is currently indispensable. He bluntly states that any attempt to remove his name would not only be seen as a grave personal insult but could also result in his family's withdrawal of crucial support from the water campaign, potentially jeopardizing the entire district's efforts, which affects thousands of farmers. He further warns that he can incite widespread local resistance against future developmental works, effectively paralyzing the Panchayat's functioning.

You are keenly aware that several genuinely impoverished families, living in dilapidated shacks, have been waiting for decades for such assistance, and Mr. Singh's inclusion would directly mean one of them is unjustly excluded. Your Block Development Officer (BDO), under immense pressure to meet state targets, has privately advised you to be 'flexible' and prioritize 'overall peace and cooperation' to ensure the smooth rollout of all government schemes, hinting that challenging influential individuals like Mr. Singh might create 'unnecessary roadblocks' for your entire tenure and even impact your future postings. The village community, while silently aware of Mr. Singh's undue claim, fears openly speaking against him, making external validation of his ineligibility difficult and adding to your isolation.

- What are the potential administrative and ethical dilemmas you face?
- Discuss all options available to you.
- What comprehensive course of action would you choose to adopt, providing ethical justification for your decision? (Answer in 250 words) 20

The case study involves potential misuse of resources by the powerful for their benefit, while threatening to stall operations of concurrent Panchayat projects in case of actions.

(a) The administrative & ethical dilemmas are:-

- ① Action against Inder Singh leading to stalling of project \Rightarrow Rule of law v/s Discretion
- ② Rights of the poor v/s larger scheme benefit to the public
- ③ Transparency or the ineligibility of Inder Singh v/s Opaqueness.
- ④ Completion of project v/s efficiency in distribution of resources
- ⑤ Impartiality to all v/s Partisanship for larger benefit
- ⑥ Means v/s Ends : Means of giving house to Singh ~~but~~ though illegitimate may help achieve larger objectives.

(b) Options available to me are :-

Option 1 : Take action against Inder Singh, removing him from

eligibility. But giving him chance to
move out on his own

Pros

Cons just

- Justice not compromised
- Rights to the poor upheld
- Impartiality.

- Threats to Jalsusaleha Abhiyan
- Potential impact on career

Option 2: Maintain status quo by not taking action against Singh.

Pros

Cons

- Jalsusaleha Abhiyan maintained
- No impact on career

- ~~For~~ Partisanship
- Against rule of law
- Rights of poor lost

(c) I would choose option 1 because:-

- ① Giving him chance to move out on his own

- ② In case of denial action against Singh by reporting to higher authority
- ③ Upholding rule of law in this case
- ④ Educate villagers and others on the taking away of their rights by Singh
- ⑤ Advise and make them aware about the common benefit of Panchayat projects.

By choosing this option, we have upheld:-

- | | |
|--------------------------------------|-----------------------------------------------|
| ① Rule of Law | ⑤ Making people aware |
| ② <u>Transparency</u> | ⑥ Continuation of <u>Panchayat projects</u> . |
| ③ <u>Accountability</u> | |
| ④ <u>Impartiality & fairness</u> | |

Hence the need to balance transparency
and common socio-economic goals
is a necessity in public service

उम्मीदवारों को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidate
must not
write on
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

AL

VisionIAS